KIDStory®

KIDStory is a program of

kids around the world

यीशु की कहानी

The Story of Jesus

तेरे कामों की प्रशंसा और तेरे पराक्रम के कामों का वर्णन, पीढ़ी पीढ़ी होता चला जाएगा।

भजन संहिता 145:4

किड्स स्टोरी और स्टोरी क्लब में स्वागत

तेरे कामों की प्रशंसा और तेरे पराक्रम के
कामों का वर्णन, पीढ़ी पीढ़ी होता चला जाएगा। भजन संहिता 145:4

हमें बहुत खुशी है की आपने अपने क्षेत्र के बच्चों को यीशु की फिल्म के माध्यम से पहुँचने का निर्णय लिया है। इस फिल्म के माध्यम से विश्व भर में बहुत से लोग प्रभावित हुए हैं और अब यह ही फिल्म बच्चों के लिए भी है।

इस गाइड में उपलब्ध सामान और पाठ सब एक रणनीति का भाग है जिसे किड्स स्टोरी कहते हैं, जिसका कार्य अगुओं को ऐसा वातावरण बनाने के लिए समर्ध बनाना है जहां बच्चे यीशु से आमना सामना कर पायें। हमें आशा है की जो आप यहां सिखेंगे वह आपके बाइबल सिखाने के तरीके को बदल देगा, और उसके वचन और आत्मा से आपका जीवन भी बदल जायेगा। बच्चे परमेश्वर की कहानी में दूर के समीक्षक न होकर परमेश्वर की कहानी के साक्षी और हिस्सेदार बन जायेंगे। किड्स स्टोरी यीशु के शिक्षण विधि पर निर्भर हैं : कहानी सुनाना, पारस्परिक ज्ञान और सार्थक विचार।

यह रणनीतियां सीखने में मजेदार और यह इस्तेमाल करने में सरल और दूसरों को बताने योग्य है। अगुओं को बोलने से ज्यादा सुनना सिखाया जाता है। पवित्र आत्मा को सुनकर बच्चों को उत्तर दें फिर बच्चों को परमेश्वर की आवाज सुनने और मानने के लिए प्रोत्साहित करें। अगुओं द्वारा पूछे प्रश्न और परस्पर क्रिया केवल सूचना प्राप्त करना नहीं, परन्तु पवित्र आत्मा द्वारा दिल और दिमाग का परिवर्तन सरल बनाना है। किड्स स्टोरी परमेश्वर के द्वारा एक जीवन, एक परिवार और समाज में उनकी कहानी और आत्मा द्वारा परिवर्तन लाना है।

मुख्य तत्त्व

ऐसी कुछ चीजें हैं जिन्हें आप किड्स स्टोरी के हर एक भाग में देखेंगे, चाहे आप अगुवों को या बच्चों के समूह को प्रशिक्षण कर रहे हों। हम एक ऐसा वातावरण बनाना चाहते हैं जहाँ बच्चे सीखें की परमेश्वर कौन हैं, वह कौन है (प्रयोजन और मूल्य) और परमेश्वर के साथ एक सच्चा और निजी रिश्ता कैसे रखें। हम विश्वास करते हैं कि यह तब ही होगा जब यह मुख्य तत्त्व अभ्यस्त होंगे।

बाइबल केन्द्रित : अगुवों या बच्चों को सिखाने वाले हर एक पाठ का मुख्य तत्त्व, बाइबल स्टोरी/कहानी है। प्रत्येक चीज एक बार कहानी पर आती है की हम पता करें कि परमेश्वर कौन है और वह कैसे उसके पीछे चलें।

मस्ती (खेल) : हम चाहते हैं की यह सत्य बच्चों के रोजमदार जीवन का हिस्सा बन जायें। यह संभव करने और बच्चों को आकर्षित करने के लिए, यह मजेदार होना चाहिए। जब मस्ती और हंसी होती है, बच्चे शामिल होना चाहते हैं, वापिस आना और दोस्तों को लाना चाहते हैं।

समर्थ बनाना : किडस स्टोरी बहुत ही सरल और क्रियात्मक है। अगुवों दूसरों को इस रणनीति का प्रयोग सिखा सकते हैं और बच्चे इन कहानियों को अपने परिवार और दोस्तों के लिए दोहरा सकते हैं।

संबंधात्मक : बच्चों को परमेश्वर के नजदीक लाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है, अर्थपूर्ण संबंध। यह केवल बच्चों को कहानी सिखाना नहीं, किंतु बच्चों को जानना और उनके दिल और दिमाग को समझना है।

आत्मा द्वारा प्रेरित :यीशु ने वायदा किया की पवित्र आत्मा हर वह चीज को प्रकट करेगा जो यीशु ने सिखाया है । वह पवित्र आत्मा है जो जीवन को बदलता है। हमें पवित्र आत्मा को सुनने और उनके बताये रास्ते पर चलने की जरूरत है।

स्टोरी क्लबस (Story Clubs)

ऐसा पर्यावरण, जहाँ बच्चे अगुवों और परमेश्वर द्वारा अभिनन्दित, प्रेम और आशिषत महसूस करें।

स्टोरी क्लब वह स्थान है जहाँ बच्चे मस्ती कर सकते हैं और जो वह सिखते और महसूस करते खुलकर बता सकते हैं। इस जगह में परमेश्वर की उपस्थिति सच्ची महसूस की जाती है। बच्चे केवल पुस्तक से नहीं, किंतु आपसी रिश्तों से सिखते हैं। यहां वह सुरक्षित समझें और स्वीकार किया महसूस करते और दूसरों को महसूस करवाते हैं। स्टोरी क्लब अभिभावकों और अगुवो के लिए भी एक सुरक्षित स्थान है जहाँ वह एक बच्चे को आत्मिक जीवन में चलाना और बढाना सीख सकते हैं। - एक स्थान जहाँ लोग लगातार सज्जित और उत्तेजित होते हैं।

एक स्टोरी क्लब किसी भी उचित समय या स्थान में हो सकता है और अगुवे इसे कोई भी नाम दे सकते हैं। उपयोग के 5 मुख्य तत्त्व ही किसी भी स्टोरी क्लब को अनोखा बनाते हैं। स्टोरी क्लब में बाईबल की कहानियां सृजनात्मक और मजेदार तरीके से बताई जाती है। जितना महत्वपूर्ण कहानी सुनाना है, उतना ही महत्वपूर्ण है सुनना - पवित्र आत्मा को सुनना और किस प्रकार आत्मा बच्चों के मन को बदल रहा है, सुनना भी आवश्यक है।

कहानी सुनने और दोहराने की विधि रमणीय प्रश्नों से जोड़ी जाती है, जिसे बच्चों के हृदय में पवित्र आत्मा का कार्य हो। यह जो बच्चों ने सुना और सीखा उस पर आधारित है ताकि यह एक खोजने की प्रक्रिया बन जाये, जो एक सच्चा जीवन बदलाव लाने पाए। अगुवों द्वारा पूछे प्रश्न केवल स्मृति के लिए नहीं, बल्कि हृदय और दिमाग के परिवर्तन के लिए है जिससे सच्चा जीवन उपयोग प्राप्त हो। इस प्रकार का पर्यावरण अगुवों को पवित्र आत्मा द्वारा सिखाई और प्रकाशित चीजें जानने का मौका देता है।

वास्तविक पाठ में जाने से पहले, हम संक्षेप में किडस स्टोरी पाठ और स्टोरी क्लब के विभिन्न आधार बताना चाहते हैं। आगे के 3 (पृष्ठ) इन विभिन्न तत्त्वों की रूप रेखा और वर्णन करने के लिए रचे गये थे। हर एक का एक अलग उद्देश्य है, बच्चों को बाईबल, एक दूसरे और स्वयं को परमेश्वर की ओर केंद्रित करना है।

हर एक बाईबल कहानी का फिल्म खंड 2 भिन्न तरीकों में मिल सकता है : द जिसस फिल्म ऐप, दिये गये लिंक पर क्लिक या लिंग को इंटरनैट में लिंक को कॉपी पेस्ट करके। हम CRU के सहकारिता और जिसस फिल्म के पीछे स्टाफ के लिए बहुत ही आभारी हैं। जैसे हम अपने और परमेश्वर के शरीर के द्वारा परमेश्वर के कार्य को होने देते हैं, परमेश्वर हमारे मांगने और सोचने से भी अधिक करें। उसके नाम को महिमा मिले।

किड्स आराऊंड द वलड की अधिक जानकारी के लिये katw.net पर जायें।

केवल किड्स स्टोरी के बारे में अधिक जानकारी के लिये katw.net/kidstory पर जायें।

CRU और जिसस् फिल्म के बारे अधिक जानकारी के लिये jesusfilm.org पर जायें।

अभिनंदन !!

हम परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर हमारे लिए और द्वार खोले जिससे हम बच्चों के जीवनों को परमेश्वर की बदलने वाली आशा इन कहानियों और पवित्र आत्मा के कार्य के माध्यम से प्रभावित कर सकें।

बच्चों की कहानी पाठ का फारमेट

प्रारंभ (Opening)

1. ऐसे प्रश्न या कार्यकलाप चुनें जिससे बच्चे अपनी व्यक्तिगत कहानी बता सकें।
2. उत्तर बच्चे से भावना उत्पन्न करें।
3. ऐसे प्रश्न पूछें जिसका उत्तर हां या ना से अधिक हो।

जरूरी नहीं की प्रारंभ सीधे ही बाइबल कहानी से जुड़ी हो, परन्तु बच्चों को उस ओर सोचने दें।

पृष्ठभूमि

1. शब्दों को परिभाषित करें या स्थानों का भूगोल और वह सांस्कृतिक अंतर बतायें जिन्हें बच्चे न जानते हों।
2. पूर्व में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं को समझाऐं।
3. पूर्व कहानी से उचित महत्वपूर्ण धारणा की समीक्षा करें।

आप को कहानी के बीच रूक कर शब्दों को समझाने की आवश्यकता नहीं है। इस लिए उन पर पष्ठभूमि (background) के समय पर ध्यान दें।

कहानी बताएं (Tell the Story)

1. कहानी को 4 – 5 अध्याय में तोड़ लें।
2. बच्चों को कहानी में शामिल करें।
3. नाटकीय आधार का इस्तेमाल करें जो आपकी कहानी को और पारस्परिक और दिलकश बनाती है, हो सके तो तस्वीरों और दिखाऊ चीजों का इस्तेमाल करें।
4. कहानी की अवधि बच्चों के लिए ठीक रखें जिस से वह दूसरों को भी बता सकें।

कहानी को उस तरह ही बतायें जैसी वह बाइबल में है। अपने शब्दों और अनुवादों को न जोड़ें। उसे स्मरणीय बनायें पर परमेश्वर के वचन पर सच्चे रहें। यह आवश्यक है की बच्चे जानें की यह कहानी बाईबल से ली गई है और सत्य है।

दोहराना (Retell)

1. बच्चों को कहानी की पढ़ने और दोहराने के लिए बाईबल का इस्तेमाल करवायें।
2. बच्चों को कहानी में आकर्षित रखने के लिए खेल और कार्यकलाप चुनें।

जरूरी है कि बच्चे कहानी को दोहराते समय बाईबल संबंधी एकदम सही (ठीक) हो।

सवालों को खोजना और प्रतिउत्तर देना (Discover & Reponse Questions)

1. इस पाठ के लिये प्रार्थना करें की पवित्र आत्मा इसे किस विचार विमर्श की ओर ले जायें।
2. ऐसे प्रश्नों का प्रयोग करें जो दिमाग के साथ हृदय को भी व्यस्त रखें।

बच्चों को कहानी के तथ्य याद करवाने से परमेश्वर उनके जीवन और हृदय में क्या कर रहे हैं उस और ले जायें। हम चाहते हैं कि आत्मा प्रत्येक व्यक्ति से उनकी जरूरत के अनुसार बात करें।

किड्स स्टोरी पाठ के लिए विचार

कहानी बताएं :

- पोशाक या वस्तु का प्रयोग करें।
- बच्चों को आवाजें बनाने दें। (हाथों को मलकर बारीश की आवाज निकालना)
- कमरे में यहाँ वहाँ घूमें ज्यादा चेहरे के व्यंजक का प्रयोग करें।
- कहानी को इस प्रकार बतायें जैसे आप कहानी के पात्रों में से एक हों।

दोहराना :

- खेल: संगीतिक कुर्सिया (Musical Chairs) कुर्सी के बिना खड़ा व्यक्ति कहानी का पहला भाग बताता है। कहानी के खत्म होने तक इसे दोहरायें।
- कला : विज्ञापन तख्ता (Billboard) सड़कों के किनारे का विज्ञापन बना कर कहानी बतायें।
- नाटक : बच्चों को एक वस्तु देकर देखें की वह कितने तरीकों से कहानी बताने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।
- संगीत : कहानी के मुख्य घटनाओं के लिए धुन या संगीत बनायें।
- लिखाई : अगला क्या है। बच्चे से लिखायें की यह कहानी सुनने के बाद परमेश्वर उनसे क्या करने की आज्ञा रखते हैं।

खोज और प्रतिक्रिया प्रश्न :

सिर के प्रश्न (तथ्य) :

- कहानी में सबसे अच्छा क्या था ?
- क्या आप वहां होने की कल्पना कर सकते हैं ? आपने क्या सुना/देखा/सूंघा/महसूस किया ?
- यीशु मसीह/परमेश्वर कहानी में क्या सिखा रहे हैं ?
- यीशु मसीह/परमेश्वर ने कैसे उत्तर दिया जब .....
- हमने यीशु मसीह/परमेश्वर के बारे में क्या सिखा ?
- कहानी के पात्र किस तरह समान या विभिन्न हैं ?

दिल के प्रश्न (भावनाएँ)

- आपके अनुसार कहानी का कौन सा भाग सबसे महत्वपूर्ण था ?
- कहानी सुनते समय आपको कैसा महसूस हुआ ?
- आपके अनुसार कहानी में ..... के दिल और दिमाग में क्या चल रहा था।
- अब आप यीशु मसीह/परमेश्वर के बारे में क्या महसूस कर रहे हैं।
- परमेश्वर ने इस कहानी को बाईबल में क्यों डाला ? इस बारे में आप क्या सोचते हैं।

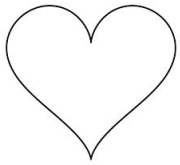

हाथ के प्रश्न (कार्य)

- आपने आज ऐसा क्या सुना जिससे आपको अपना जीवन बदलने के बारे में सोचना पड़ा।
- यह कहानी सुनने के बाद, आप अपना जीवन कैसे बदलेंगे।
- यह कहानी इस हफते आप किस को बता सकते हैं।
- परमेश्वर आपको इस कहानी में किस प्रकार भाग्य बनाना चाहते हैं ?

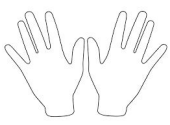

स्टोरी क्लबस के लिये मिसाल कार्यक्रम

अभिवादन :

1. बच्चों का स्वागत करें और ऐसा वातावरण बनायें जहाँ वह अभिनन्दित महसूस करें।
2. कलब समय का आकारिक प्रारंभ करें।
3. प्रार्थना करें।

अभिवादन बच्चों को इक्ट्ठा करने का समय है, उन्हें अभिनंदित महसूस करवायें एवं अगुवों और दूसरे बच्चों से जोड़ें।

खेल :

1. मजा करें।
2. बच्चे एवं अगुवे व्यस्त रहें, जहाँ संबंध बनाये जायें।
3. ऐसे खेल चुनें जिसमें सब बच्चे भाग ले सकें।

एक ऐसा सुरक्षित वातावरण बनायें जहां बच्चे मजा कर रहे हैं और सभी व्यस्त हैं और अपने दोस्तों को भी आमंत्रित करना चाहते हैं।

विशाल समूह

1. किड कनैकट : बच्चे छोटे समूहों में अपने अगुवों के साथ हफ्ते की कहानियाँ बताने के लिए इक्ट्ठा हो। इसमें हाथ के प्रश्नों के उत्तर द्वारा लिये पूर्व निर्णय को भी शामिल करें। प्रारंभ यही या विशाल समूह में भी किया जा सकता है।
2. आराधना : परमेश्वर से जुड़ना
3. पृष्ठभूमि और सृजनशील तरह से कहानी बतायें।
4. कहानी समीक्षा अवं हो सके तो एक दोहराने की कार्यकलाप।

किड कनैकट एवं पूर्व हाथ के प्रश्नों के उत्तरों के बारे बात करते समय चेले बनाना व्यक्तिगत बातों में जारी रह सकता है। बाईबल की कहानी इस प्रकार बताई जाती है जिस से बच्चों को लगे की वह स्वयं वहां होने की कल्पना करे। छोटे समूहों की बातचीत एवं परमेश्वर के वचन और आराधना के जुड़ने से एक समुदाय बन जाता है।

छोटा समूह :

1. विभिनन कार्यकलाप का इस्तेमाल करके हर सप्ताह कहानी दोहरायें।
2. सिर एवं हाथ के प्रश्न पूछें।
3. प्रार्थना के साथ समाप्त करें और आशीष दें।

अंत

1. कहानी दोहराने के लिये स्वयंसेवक बने।
2. अंत के शब्द, निवेदन, प्रार्थना।
3. अभिभावकों का अभिवादन करें।

बच्चों को कहानी के तथ्य याद करवाने से परमेश्वर उनके जीवन और हृदय में क्या कर रहे हैं उस और ले जायें। हम चाहते हैं कि आत्मा प्रत्येक व्यक्ति से उनकी जरूरत के अनुसार बात करें।

JESUS FILM

स्टोरी क्लब पाठ

1.	यीशु का जन्म	लूका 2:1 – 11, 16 – 18
2.	यीशु का बचपन	लूका 2:41 – 52
3.	चमत्कारपूर्ण मछली पकड़ना	लूका 5:1 – 11
4.	याईर की बेटी	लूका 8:40 – 42, 49 – 56
5.	पापी स्त्री को क्षमा	लूका 7:36 – 48
6.	यीशु का आँधी को शान्त करना	लूका 8:22 – 25
7.	यीशु का पाँच हजार को खिलाना	लूका 9:10 – 17
8.	बरतिमाई की चंगाई	लूका 18:35 – 43
9.	यीशु और जक्कई	लूका 19:1 – 10
10.	विधवा का दान	लूका 21:1 – 4
11.	अन्तिम भोज	लूका 22:13 – 20, 31 – 34
12.	यीशु का क्रूस पर चढ़ाया जाना	लूका 23:20 – 26,44 – 48
13.	यीशु का पुनरूस्थान	लूका 24:1 – 12

पाठ – 1 यीशु का जन्म

लूका 2:1 – 11, 16 – 18

समीक्षा :

यह आपके समूह के साथ आपकी पहली मुलाकात हो सकती है। प्रत्येक जन अपना परिचय दे और अपने बारे में एक अच्छी बात बताए। उनके आत्मिक स्तर को जानने के लिए उनसे पूछे की वह परमेश्वर के बारे में क्या जानते हैं।

प्रारंभ : ऐसी कौन सी चीज है जिसने आपको सबसे ज्यादा अचम्भित किया ?

पृष्ठभूमि

कहानी बताएं

दोहराना

पृष्ठभूमि – आदि में परमेश्वर ने इस संसार की रचना की, और और आदमी, जिसका नाम आदम और औरत का नाम हवा रखा गया। परमेश्वर ने उन्हें अदन नाम के एक सुंदर बगीचे में रखा। एक दिन उन्होने झूठ बोलकर परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया जिस कारण वह अदन की वाटिका में और रह नहीं सकते थे। इसका मतलब यह नहीं था कि परमेश्वर उनसे प्रेम नहीं करते थे। वह उनसे और उनसे आये परिवारों से अद्भुत प्रेम करते थे। लेकिन मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करता रहा। परमेश्वर ने लोगों को अपने पास वापिस लाने का पूरा प्रयास किया, नियम दिये पालन करने के लिए, राजा दिए उन पर राज्य करने के लिए लोग भेजें कि उन्हें बतायें परमेश्वर क्या सोच रहे हैं और अभी भी परमेश्वर कितना चाहते हैं कि वे उनके पास लौट आयें। लेकिन कोई लाभ न हुआ। परमेश्वर अपनी सबसे बहुमूल्य चीज को भेजने के लिए तैयारी पूरी करने पे थे। व जो सबसे लिए एक तोहफा था, यदि वे उसे ग्रहण करते। क्रिसमस का दिन आने वाला था।

कहानी समीक्षा : यदि बच्चों के पास बाईबल हो तो उनसे प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबारा कहानी पढ़वाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवाएं।

रस्सी का खेल : एक 15 की रस्सी का टुकड़ा ले और उसके सिरे बाँध लें, सारे लोग एक घेरे में खड़े होकर दोनों हाथों से रस्सी को पकड़ लें। आपकी आवाज पे या म्यूजिक पर सब उस रस्सी को बांयी तरफ से दूसरे को पास करना शुरू करें। जब आप "रूको" कहें जो व्यक्ति रस्सी की गांठ के सबसे करीब हो वो कहानी में आगे क्या हुआ बताएगा जब तक आप "शुरू" नही कहते और यह तब तक चलेगा जब तक कहानी समाप्त नहीं होती।

बाईबल कहानी : उन दिनों आज्ञा निकली की सब लोग नाम लिखवाने के लिये अपने नगर को जायें। इस लिए यूसुफ भी मरियम को बौतलहम ले गया क्योंकि उनके लिये सराय में जगह न थी, मरियम ने चरनी में अपने बच्चे को रखा। उस रात मैदान में गड़रिये अपने झुण्ड का पहरा दे रहे थे। तब परमेश्वर का दूत उनके पा आ खड़ा हुआ और वे बहुत डर गए तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, "मत डरो; क्योंकि देखो, मैं तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूँ जो सब लोगों के लिये होगा। कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है। तब गड़रिये जल्दी मरियम, यूसुफ और बच्चे को ढूंढने चल पड़े। जब उन्हें वह मिले, उन्होंने वह बात जो इस बालक के विषय में उनसे कही गई थी, प्रगट की। सबने आश्चर्य किया। गड़रिये ने सब सुनकर और देखकर परमेश्वर की महिमा और स्तुति करते हुए लौट गए।

खोज प्रश्न :

1. आज की बाईबल कहानी में आपको क्या अच्छा लगा।
2. कहानी में कौन – कौन से लोग थे ?
3. मरियम और दूसरों ने क्या चुनाव किया ? वे इसके अलावा क्या कर सकते थे। उन्होंने जो चुनाव किया, उसके कारण क्या हुआ ?
4. जब परमेश्वर का स्वर्गदुत गड़रिये के सामने प्रगट हुआ तो उन्हें कैसा लगा होगा। यदि आप एक गडरिये होते तो आप क्या करते ?
5. यदि जैसे कहानी में परमेश्वर लोगों के सामने प्रगट हुए, आपके सामने प्रगट हो, तो आप क्या करोगो।
6. आज आप परमेश्वर से कौन सी खुश खबरी सुनना चाहते हो? आप परमेश्वर की कौन सी खुश खबरी दूसरों को बता सकते हो ?
7. आज की कहानी का सबसे मुख्य भाग कौन सा था ?
8. आपने परमेश्वर के विषय में क्या सिखा ?

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर के प्रश्न :

1. परमेश्वर चाहते हैं कि आप भी उनकी कहानी का उसी प्रकार हिस्सा बने जिस प्रकार मरियम, यूसुफ और गड़रिये आज की कहानी का हिस्सा थे। आप क्या सोचते हैं कि परमेश्वर किस प्रकार से आपको अपनी कहानी का हिस्सा बनाना चाहते हैं।
2. इस हफ्ते आप यह कहानी किससे बांट सकते हैं।

अंतिम आशीष :

यीशु, हम जानते हैं कि आपकी इच्छा है कि हम आपको सुनें और आपकी आज्ञा मानें। प्रत्येक बच्चे को आशीषित करें कि उनकी इच्छा आप पर विश्वास करने की और आज्ञा मानने की हो ना केवल लोगों को और आपको प्रभावित करने की हो। पढ़े – राजा 15:22

पाठ – 2 यीशु का बचपन

लूका 2:41 52

समीक्षा :

पिछले हफ्ते हम ने यीशु के जन्म के बारे में बातचीत आरम्भ की, किसको याद है, कहानी किस चीज के बारे में थी ? क्या इस हफ्ते किसी समय परमेश्वर ने आपसे कुछ करने को कहा ? आपने क्या किया ? आपने यह कहानी किस से बांटी ?

प्रारंभ : आप कौन से मौजमस्ती के सफर पर गये हो ?

पृष्ठभूमि

कहानी बताएं

दोहराना

कहानी समीक्षा – यदि बच्चों के पास बाइबल है तो उनसे प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबरा कहानी पढ़वाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवाएं।

टिंगों टिंगों टैंगों : बच्चों को एक घेरे में खड़ा करें। किसी चीज/गेंद को "टिंगो टिंगो टैंगो" कहते हुए एक दूसरे को पास करें। जब भी आप "टैंगों" कहें जिसके पास गेंद हो वह कहानी का अगला भाग बताएं।

पृष्ठभूमि : जबकि यीशु का जन्म बैतलहम में हुआ, उनका परिवार नासरत नगर में स्थान्तरित हुआ। वो आप ही के समान बालक था और आप ही के समान बड़ा हुआ। (आप पूछ सकते हैं कि कैसे वे बड़े होते जा रहे हैं) पद 2:40 बताता है कि अच्छे स्वास्थ्य में, ताकत में ओर महान बुद्धिमता में बढ़ रहे थे। परमेश्वर का अनुग्रह उन पर था। प्रतिवर्ष उनका परिवार येरूशलेम को फसह के पर्व की छुट्टियां मनाने जाता। यह इस बात को स्मरण करने के लिए था कि कई वर्ष पहले परमेश्वर ने किस प्रकार सामर्थी रूप से उनके परिवारों को बचाया था। वो वहां पर कम से कम एक हफ्ते ठहरते फिर अपने घर नासरत की

कहानी : प्रत्येक वर्ष यीशु के माता पिता फसह के पर्व के लिए येरूशलेम जाते। जब वह 12 वर्ष का हुआ हमेशा की तरह वह पर्व में गए और फसह के दिन परे होने के बाद वे घर लौटने को निकले। बालक यीशु, येरूशलेम में ही रह गये, परन्तु उनके माता पिता इस बात से अनिभग्य थे। यह सोचते हुए कि यीशु उनके समूह मे ही कहीं होंगे उन्होंने एक दिन की यात्रा पूरी कर ली। फिर वे अपने परिवार और मित्रों के बीच यीशु को ढूंढने लगे। जब वे उसे नहीं ढूंढ पाये तो वे उसे देखने येरूशलेम को लौटे। तीन दिनों के बाद उन्हें यीशु मन्दिर में शिक्षकों के साथ उनकी बातें सुनते हुए और उनसे प्रश्न पूछते हुए बैठे मिले। जितनों ने उन्हें सुना वह यीशू की समझदारी और उत्तरों को सुनकर अचम्भित हुए। जब यीशु के माता–पिता ने उसे देखा, वे अचंभित हुए उसकी माता ने उससे कहा "पुत्र तुने हमारे साथ ऐसा क्यों किया? तुम्हारें पिता और मैं तुम्हारे लिए बहुत चिंतित थे और तुम्हें ढूंढ रहे थे।" आप मुझे क्यों ढूंढ रहे थे ? क्या आप नहीं जानते थे कि मुझे आवश्यक है कि मैं अपने पिता परमेश्वर किन चीजों से प्रसन्न होता है।

यात्रा करते। आईये देखते हैं इस एक खास वर्ष क्या हुआ।

खोज प्रश्न :

1. आपके लिए कहानी का मुख्य भाग कौन सा था?
2. इस कहानी का कौन सा भाग आपको अच्छा लगा ?
3. लोगों नें क्या चुनाव किया ? वे इसके अलावा क्या कर सकते थे ? उन्होंने जो चुनाव किया उसके कारण क्या हुआ ?
4. कहानी में हमने सुना की यीशु बुद्धि में बढ़ा, वह शक्तिशाली हुआ और लोगों और परमेश्वर को अच्छा लगा। आप यीशु की तरह किस प्रकार बढ़ रहे हो ? इन में से किन चीजों से परमेश्वर प्रसन्न हैं और किन चीजों में आप और बढ़ना चाहते हैं ?
5. आप किस तरह परमेश्वर के साथ रहने की कोशिश करते हैं।

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर के प्रश्न :

1. परमेश्वर चाहते हैं कि आप भी यीशु के समान उनकी कहानी का हिस्सा बनें। आप क्या सोचते हैं कि परमेश्वर किस प्रकार से आपको अपनी कहानी का हिस्सा बनाना चाहते हैं।
2. इस हफ्ते आप यह कहानी किससे बांट सकते हैं।

अंतिम आशीष :

प्रभु, धन्यवाद इस उदाहरण के लिए कि कैसे यीशु अपने बालकपन में बढ़े। इन बच्चें को अपने अनुग्रह और बुद्धि में बढ़ने की सहायता करना। आप इन्हें आपके साथ रहने के लिए और पिता के घर में रहने के लिए इच्छा प्रदान करें। पढ़ें लूका 2:49

पाठ – 3 चमत्कारपूर्ण मछली पकड़ना

लूका 2:41–52

समीक्षा :

- देखें यदि कोई बच्चा पिछली कहानी बता सकता है।
- पूछें किसने पिछली कहानी किसी को बताई ? उन्हें बताने का अवसर दें।
- आपने पिछले हफतों में पवित्र आत्मा की अगवाई का किस प्रकार उत्तर दिया ?

प्रारंभ :

किसी ऐसे समय के बारे में बताएं जब आपने न चाहते हुए भी किसी की आज्ञा का पालन किया हो।

पृष्ठभूमि

कहानी बताएं

दोहराना

प्रश्न, रिक्त स्थानों और गलत कथनों को सही करवाने का प्रयोग करके कहानी को दोहरायें।

म्यूजिकल कुर्सियां :

एक चक्कर में एक बच्चे को छोड़ सब के लिए कुर्सियां लगाए। कुर्सियां बाहर की ओर लगाई जाएं। हर एक बच्चा कुर्सी पर बैठ जाए, केवल एक को छोड़। संगीत के शुरू होते, बच्चे कुर्सीयों के साथ साथ चलना शुरू करें और जब संगीत बंद हो, हर बच्चा अपने लिए एक कुर्सी ढूंढ कर बैठ जाए। जिस एक बच्चे के पास कुर्सी न हो, वह कहानी का अगला भाग बताएगा। कहानी खत्म होने तक इसे दोहरायें।

खोज प्रश्न :

- आपको कहानी में क्या अच्छा लगा ?
- कहानी के दौरान शमौन पतरस को कैसा लगा होगा ? कहानी के हर भाग पर विचार करें और पूछे उसे कैसा महसूस हुआ होगा।
- शमौन पतरस क्यों यीशु के पास नहीं आना चाहता था ?
- यीशु ने उसे मत डर क्यों कहाँ ?
- ऐसी कौन सी चीज है जो आपको यीशु से दूर रखती है और आप यीशु को अपने पास नहीं रखना चाहते ? यीशु को इस बारे में कैसा महसूस होता है।
- यीशु ने शमौन पतरस को क्या चुनौती दी ? यीशु

पृष्ठभूमि :

यीशु देश भर में चमत्कार कर रहे हैं। उन्होंने लोगां की बीमारियों को चंगा किया, दुष्ट आत्मा उनकी आज्ञा मानती थी और लोग उनके पीछे उनको सुनने के लिए चलते रहे। यह लोगों की भी भीड़ भढ़ती गई जैसे अब हम इस कहानी में देखेंगे।

कहानी :

जब भीड़ परमेश्वर का वचन सुनने के लिए उस पर गिर पड़ती थी, और वह गत्रेसरत की झील के किनारे पर खड़ा था, तो ऐसा हुआ कि उसने झील के किनारे दो नावें लगी हुई देखीं, और मछुवे उन पर से उतरकर जाल धो रहे थे। उन नावों में से एक पर, जो शमौन की थी, चढ़कर उसने उससे विनती कि कि किनारे से थोड़ा हटा ले चले। तब वह बैठकर लोगों को नाव पर से उपदेश देने लगा। जब वह बातें कर चुका तो शमौन से कहा, "गहरे में ले चल, और मछलियाँ पकड़ने के लिये अपने जाल डालो।" शमौन ने उसको उत्तर दिया, "हे स्वामी, हम ने सारी रात मेहनत की और कुछ न पकड़ा।" तौभी तेरे कहने से जाल डालूँगा।" जब उन्होंने ऐसा किया, तो बहुत मछलियाँ घेर लाए और उनके जाल फटने लगे। इस पर उन्होंने अपने साथियों को जो दूसरी नाव पर थे, संकेत किया कि आकर हमारी सहायता करो, और उन्होंने आकर दोनों नावें यहां तक भर ली कि वे डूबने लगी। यह देखकर शमौन पतरस यीशु के पाँवों पर गिरा और कहा, "हे प्रभु, मेरे पास से जा, क्योंकि मैं पापी मनुष्य हूं। क्योंकि इतनी मछलियों के पकड़े जाने से उसे और उसके साथियों को बहुत अचम्भा हुआ, और वैसे ही जबदी के पुत्र याकूब और यूहन्ना को भी, जो शमौन के सहभागी थे, अचम्भा हुआ। तब यीशु ने शमौन से कहा, "मत डर, अब से तू मनुष्यों को जीवता पकड़ा करेगा।" और वे नावों को किनारे पर ले आए और सब कुछ छोड़कर उसके पीछे हो लिए।

आपको इस समय क्या चुनौती दे रहे हैं ?

- यीशु के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है ?
- पतरस, याकूब और यूहन्ना ने यीशु के पीछे चलने के लिये सब कुछ छोड़ दिया। आपके लिए क्या कठिन है छोड़ना ताकि आप यीशु के पीछे चलें? आप यीशु के पीछे कैसे चल रहे हैं ?
- यह कहानी यीशु के विषय में क्या बताती है।

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर के प्रश्न :

- आज जो आपने सीखा है उस विषय में पवित्र आत्मा क्या चाहते हैं आप करें ?
- इस हफ्ते यह कहानी आप किस से बांट सकते हैं।

अंतिम आशिष :

प्रभु यीशु इन बच्चों को आशीष दें कि यह आपके पीछे चलने और आपकी आज्ञाओं को मानने की इच्छा रखें, जैसे इस कहानी में इन लोगों ने किया।

पाठ – 4 याईर की बेटी

लूका 8:40 – 42, 49 – 56

समीक्षा :

- देखें की कोई बच्चा है जो चमत्कारपूर्ण मछली पकड़ने की कहानी बता सकें।
- वह परमेश्वर की आज्ञा का किस प्रकार पालन कर रहे हैं ?

प्रारंभ :

- ऐसे समय के बारे में बतायें जब आप बहुत बीमार थे।

पृष्ठभूमि :

कहानी बताएं :

दोहराना :

कहानी समीक्षा :

यदि बच्चों के पास बाईबल है तो उनसे प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबारा कहानी पढ़वाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवायें।

अभिनय करें :

प्रत्येक बच्चे को कहानी के भिन्न – भिन्न पात्र दें। अभिनय करने से पहले उन्हें अभ्यास करने दें। देखें यदि एक या दो बच्चे कहानी बताने वाला आदमी बनें और बाकी सब कहानी का अभिनय करें इस प्रकार बच्चे कहानी को एक नाटक के रूप में दोहरा सकते हैं।

खोज प्रश्न :

- आपको कहानी में क्या अच्छा लगा ?
- आज की कहानी में कौन कौन से लोग थे ?
- आज जब कहानी की कल्पना की तो आपने क्या देखा और सुना ?
- याईर ने क्या चुनाव किया ?
  यीशु ने ? वह और क्या कर सकते थे ? उनकी चुनाव के कारण क्या हुआ ?
- जब याईर की बेटी जीवित हो गई तो लोगों को कैसा लगा ?
- क्या आप कोई चमत्कार बता सकते हैं जा परमेश्वर ने आप के लिये या आपके परिवार के लिये किया हो ।
- यीशु के केवल बोलने से याईर की बेटी जीवित हो गई, आप क्या चाहते हैं यीशु कहे आपकी किसी परेशानी में ?

पृष्ठभूमि :

यीशु आश्चर्यकर्म कर रहे हैं, बहुत से बीमार चंगें हो रहे हैं और दुष्ट आत्माएं लोगो को छोड़ रही हैं। परन्तु फिर भी बहुत से धर्मगुरू इस बात पर विश्वास नहीं करते कि यीशु, परमेश्वर के द्वारा भेजे गये। उनमें से एक गुरू से आज हम मिलने जा रहे हैं जो यीशु के पास एक विनती लेकर आया। वह आराधनालय में काम करता है। यह वह स्थान है जहाँ यहूदी लोग परमेश्वर की आराधना करते हैं जैसे हम यहां पर चर्च (कलीसिया) में आराधना करते हैं।

कहानी :

जब यीशु लौटा तो लोग उससे आनन्द के साथ मिले, क्योंकि वे सब उसकी बाट जोर रहे थे। इतने में याईर नामक एक मनुष्य जो आराधनालय का सरदार था, आया और यीशु के पाँवों पर गिर के उससें विनती करने लगा कि मेरे घर चल। क्योंकि उसके 12 वर्ष की एकलौती बेटी थी और वह मरने पर थी।

वह यह कह ही रहा था कि किसी ने आराधनालय के सरदार के यहाँ से आकर कहा, "तेरी बेटी मर गई, गुरू को दुख न दे।" यीशु ने यह सुनकर उसे उत्तर दिया, "मत डर केवल विश्वास रख, तो वह बच जाएगी।" घर में आकर उसने पतरस, यूहन्ना, याकूब, और लड़की के माता पिता को छोड़ अन्य किसी को अपने साथ भीतर आने न दिया। सब उसके लिए रो पीट रहे थे, परन्तु उसने कहा, "रोओ मत, वह मरी नहीं परन्तु सो रही है।" वे यह जानकर कि वह मर गई है उसकी हँसी करने लगे। परन्तु उसने उसका हाथ पकड़ा और पुकारकर कहा, "हे लड़की, उठ।" तब उसके प्राण लौट आए और वह तुरन्त उठ बैठी। फिर उसने आज्ञा दी कि उसे कुछ खाने को दिया जाए। उसके माता पिता चकित हुए, परन्तु उसने उन्हें चिताया कि यह जो हुआ है किसी से न कहना।

- आज मैनें सिखा की परमेश्वर.....

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर के प्रश्न :–

- आज की कहानी के द्वारा परमेश्वर (पवित्र आत्मा) आप से क्या कर रहा है ?
- परमेश्वर आपको याईर के समान अपनी कहानी का हिस्सा बनाना चाहते हैं। परमेश्वर कैसे आपको इस कहानी में भाग बनायेंगे।
- यह कहानी इस हफ्ते आप किस से बांट सकते हो।

अंतिम आशीष :

प्रभु धन्यवाद उस बहुतायत के जीवन के लिये जो यीशु में पाया जाता है। मैं आपसे मांगती/मांगता हूं कि प्रत्येक बच्चे को आप अपने आनन्द, खुशी और जीवन की भरपूरी से भरे। जो भी भला आपने हमें दिया है विरोधी उसे किसी भी रीति से चुराने न पाये। पढ़े यूहना 10:10

पाठ – 5 पापी स्त्री को क्षमा

लूका 7:36 – 48

समीक्षा : इस शृंखला में हम कई कहानियाँ सुना चुके हैं। पता लगायें आपके समूह की पसन्दीदा कहानियाँ कौन सी हैं और क्या वह उन्हें दोहरा सकते हैं।

प्रारंभ : ऐसा कौन सा तरीका है जिसके द्वारा आपने किसी को आदर और मान दिखाया है।

पृष्ठभूमि :

कहानी बताएं :

दोहराना :

कहानी समीक्षा :

यदि बच्चों के पास बाईबल है तो उनसे प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबारा कहानी पढ़वाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवायें।

मूक नाटक : अपने समूह को अन्य छोटे समूहों में बांट दें पहले समूह को कहानी का पहला भाग बिना शब्दों का प्रयोग करे, अभिनय करने दें। दूसरे समूह को बताना है कि वह कया कह रहे हैं। इसी प्रकार अगला समूह को कहानी का अगला भाग शब्दों का प्रयोग करे बिना समझाना है और बाकि के समूह बतायें की वह क्या कर रहे हैं। कहानी खत्म होने तक दोहरायें। आप समूह को कहानी का भाग समझा सकते हैं यदि वह दूसरा भाग भूल जायें।

खोज प्रश्न :

- कहानी के दौरान आप ने किस विषय पर विचार किया ?
- कहानी का कौन सा भाग आपको बहुत अच्छा लगा ?
- कहानी में उस स्त्री का नाम क्यों नहीं बताया गया?
- उस स्त्री ने ऐसा क्या किया कि यीशु ने उसे कहा, तेरे पाप क्षमा हुए ?
- मैं चाहता हूं कि परमेश्वर मुझे ------- के लिए क्षमा करें ?
- परमेश्वर मुझे कयों माफ करना चाहता है ?
- इस समय आप बच्चों को कैसे यीशु के चेले बनने के बारे में बता सकते हैं?
- मैनें सीखा की परमेश्वर.....
  यह आपके परमेश्वर से प्रेम करने और सेवा करने में क्या बदलाव लायेगा।

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर प्रश्न :

- परमेश्वर चाहते हैं कि आप उनकी कहानी का

पृष्ठभूमि :

यीशु जब पृथ्वी पर थे, उस समय यह अपेक्षा की जाती थी कि जब आपके घर कोई आये तो आप उसके साथ आदर का बर्ताव करें। आप उनका स्वागत गरमजोशी से करें और इस बात का ध्यान रखें की घर में प्रवेश करने से पहले उनके गन्दे पैर धुलवायें, यदि आप यह कार्य न करें तो उसे अनादर समझा जाता था।

एक और बात जो जानना है कि एक भविष्यवक्ता वह होता है जो परमेश्वर को सुनता है और परमेश्वर से बात करता है। लेकिन केवल परमेश्वर ही पापों की क्षमा देते हैं।

कहानी :

एक फरीसी ने उससे (यीशु) विनती की कि वह उसके साथ भोजन करें, अत: वह उस फरीसी के घर में जाकर भोजन करने बैठा। उस नगर की एक पापिनी स्त्री यह जानकर कि वह फरीसी के घर में जाकर भोजन करने बैठा । संगमरमर के पात्र में इत्र लाई। और उसके पाँवों के पास, पीछे खड़ी होकर, रोती हुई उसके पाँवों को आँसुओं से भिगोने और अपने सिर के बालों से पोंछने लगी और उसके पाँव बार-बार चूमकर उन पर इत्र मला। यह देखकर वह फरीसी जिसने उसे बुलाया था, अपने मन में सोचने लगा, "यदि वह भविष्यद्वक्ता होता तो जान जाता कि यह जो उसे छू रही है वह कोन और कैसी स्त्री है, क्योंकि वह तो पापिनी है।" यीशु ने उसके उत्तर में कहा, "हे शमौन, मुझे तुझ से कुछ कहना है।" "किसी महाजन के दो देनदार थे, एक पाँच सौ और दूसरा पचास दीनार का देनदार था। जब उनके पास पटाने को कुछ न रहा, तो उसने दोनों को क्षमा कर दिया। इस लिये उनमें से कौन उससे अधिक प्रेम रखेगा?" शमौन ने उत्तर दिया, "मेरी समझ में वह जिसका उसने अधिक छोड़ दिया। उसने उससे कहा, तू ने ठीक विचार किया है। और उस स्त्री की और फिरकर उसने शमौन से कहा, "क्या तू इस स्त्री को देखता है? मैं तेरे घर में आया परन्तु तू ने मेरे पाँव धोने के लिये पानी न दिया, पर इसने मेरे पाँव आँसुओं से भिगोए और अपने बालों से पोंछा। तू ने मुझे चूमा न दिया, जब

हिस्सा बना जैसे इस कहानी में वह स्त्री बनी। आप को क्या लगता है की परमेश्वर किस प्रकार आपको अपनी कहानी का भाग बनाना चाहता है?

- इस हफते आप को यह कहानी किस से बांट सकते हो।

अंतिम आशीष :

प्रभु इन बच्चें को एक प्रेमी और क्षमा करने वाले हृदय से आशीषित कीजिए जिस प्रकार आपने हमें क्षमा किया है। इन्हे दूसरों को आशीषित करने की इच्छा दीजिए।

पढ़ें कुलुस्सियों 3:13 – 14

से मैं आया हूँ तब से इसने मेरे पाँवों को चूमना न छोड़ा। तू ने मेरे सिर पर तेल नहीं मला, पर इसने मेरे पाँवों पर इत्र मला है। इसलिए मैं तुझ से कहता हूँ कि इसके पाप जो बहुत थे, क्षमा हुए, क्योंकि इसने बहुत प्रेम किया, पर जिसका थोड़ा क्षमा हुआ है, वह थोड़ा प्रेम करता है।" और उसने स्त्री से कहा, "तेरे पाप क्षमा हुए।"

पाठ – 6 यीशु का आँधी को शान्त करना

लूका 8:22 – 25

समीक्षा :

- देखें यदि कोई बच्चा पिछली कहानी दोहरा सकता है।
- किसने पिछली कहानी किसी और के साथ बाँटी। उन्हें बताने का मौका दें।
- आपने पिछले हफते से पवित्र आत्मा की अगवाई का किस प्रकार उत्तर दिया ?

प्रारंभ : किसी ऐसे समय के बारे में बताएं जब आप किसी तूफान में थे।

पृष्ठभूमि :

कहानी बताएं :

दोहराना :

कहानी समीक्षा :

यदि बच्चों के पास बाईबल हो तो उनसे प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबारा कहानी पढ़वाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवायें।

कहानी पुस्तक :

बच्चे चित्रों और शब्दों से कहानी को दोहराते हैं। अतिरिक्त साधन देखें कि कैसे बच्चे इसे स्वयं बना सकते हैं।

खोज प्रश्न :

- आपके लिए कहानी का कौन सा भाग सब से अच्छा था ?
- कहानी के दौरान आप क्या सोच रहे थे ?
- अगर आप नांव पर होते तो क्या करते?
- आप कितना इंतजार करते यीशु को उठाने से पहले ?
- क्या आपके जीवन में ऐसा कुछ है, जहां आपको परमेश्वर को जगाकर उनकी सहायता की जरूरत है?
- आपको क्या सब से ज्यादा भयभीत करता है?
- यदि परमेश्वर मेरे साथ है, वह मुझे क्या कहना चाहेंगे?
- मैं सोचता/सोचती हूं कि कैसे परमेश्वर मेरे जीवन के तूफान को शान्त कर सकते हैं ?

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर प्रश्न :

- आज आपने जो सीखा उससे पवित्र आत्मा आपसे क्या करवाना चाहते हैं ?
- इस हफते आप यह कहानी किससे बांट सकते हैं?

अंतिम आशीष :

- यीशु, धन्यवाद की हम किसी भी समय आपने मुश्किलों और प्रश्नों के साथ आपके पास आ सकते हैं।

पृष्ठभूमि :

दृष्टान्त वह कहानी है जो यीशु लोगों को एक शिक्षा देने के लिए बताते थे। यीशु ने अभी कुछ दृष्टान्त विश्वास और परमेश्वर पर भरोसा करने के विषय में बताये थे। फिर उन्होंने अपने चेलों को कहानियां समझाई। उस रात यीशु उन्हें नांव पर लेकर झील के उस पार चल दिये।

कहानी :

फिर एक दिन वह और उसके चेले नाव पर चढ़े, और उसने उनसे कहा, "आओ, झील के पार चलें।" अत: उन्होंने नाव खोल दी। पर जब नाव चल रही थी, तो वह सो गया और झील पर आँधी आई और नाव पानी से भरने लगी और वे जोखिम में थे। तब उन्होंने पास आकर उसे जगाया और कहा, "स्वामी! स्वामी! हम नाश हुए जाते हैं।" तब उसने उठकर आँधी को और पानी की लहरों को डाँटा और वे थम गए और चैन हों गया। तब उसने उनसे कहा, "तुम्हारा विश्वास कहाँ था?" "पर वे डर गए और अचम्भित होकर आपस में कहने लगे। "यह कौन है जो आँधी और पानी को भी आज्ञा देता है, और वे उसकी मानते हैं।

पाठ – 7 यीशु का 5000 को खिलाना

लूका 9 : 10 – 17

समीक्षा :

जो कहानियाँ सुना चुके हैं उनमें दोबारा जायें और देखें कि कहानियों को क्रमानुसार बता पाते हैं और कौन सी कहानी उन्हें सबसे अच्छी लगी? क्यों ?

प्रारंभ :

आप किसी की सहायता भोजन देने के द्वारा या पैसों के द्वारा करेंगे ? क्यों ?

पृष्ठभूमि :

कहानी बताएं :

दोहराना :

कहानी समीक्षा :

यदि बच्चों के पास बाईबल हो तो उन से प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबारा कहानी पढवाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवायें।

हाथ के इशारे :

कहानी दोहराएं और बच्चों से कहें कहानी के अलग हिस्सों के लिए इशारे करें। बच्चों से अपना साथी ढूंढने को कहें जो एक दूसरे को कहानी इशारे में बतायें।

खोज प्रश्न :

- आपको कहानी में क्या अच्छा लगा?
- कहानी में कौन कौन से लोग थे ? उन सब ने क्या चुनाव किया ? वह और क्या कर सकते थे? उनकी चुनाव के कारण क्या हुआ ?
- यदि आप इस कहानी का हिस्सा होते तो, आपको कैसा महसूस होता ?
- यदि आप चेले होते तो यीशु को कैसे उत्तर देते ?
- उस लड़के ने परमेश्वर को मदद के लिए क्या दिया? परमेश्वर आपसे क्या चाहते हैं दूसरों की मदद करने के लिए।
- आप किस चीज में अच्छे हैं जिसे आप दूसरों की सेवा करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हो?
- मैनें सिखा की परमेश्वर.....

पृष्ठभूमि :

यीशु लोगों को शिक्षा देते और बहुत से आश्चर्यकर्म करते आये हैं। वो लोगों को चंगा कर रहे हैं और शैतान को छोड़ने की आज्ञा दे रहे हैं। लोग उनकी शिक्षाओं से प्रेम करते हैं। अब वो प्रयत्न कर रहे हैं लोगों से दूर जाकर अपने चेलों के साथ समय बिताएं वो पुरुष जिन्हें उन्होने चुना है उसके पीछे चलने के लिए फिर भी एक बड़ी भीड़ ने जान लिया कि वे कहां जा रहे हैं।

कहानी :

फिर प्रेरितों ने लौटकर जो कुछ उन्होंने किया था, उसको बता दिया; और वह उन्हें अलग करके बैतसैदा नामक नगर को ले गया। यह जानकर भीड़ उसके पीछे हो ली, और वह आनन्द के साथ उनसे मिला, और उनसे परमेश्वर के राज्य की बातें करने लगा, और जो चंगे होना चाहते थे उन्हें चंगा किया। जब दिन ढलने लगा तो बारहों ने आकर उससे कहा, "भीड़ को विदा कर कि चारों ओर के गाँवों और बस्तियों में जाकर टिकें और भोजन का उपाय करें, क्योंकि हम यहाँ सुनसान जगह में हैं। उसने उनसे कहा, "तुम ही उन्हें खाने को दो।" उन्होंने कहा, "हमारे पास पाँच रोंटी और दो मछलियों को छोड़ और कुछ नहीं; परन्तु हाँ, यदि हम जाकर इन सब लोगों के लिये भोजन मोल लें, तो पाँच हजार पुरुषों के लगभग थे। तब उसने अपने चेलों से कहा, "उन्हें पचास-पचास करके पाँति पाँति बैठा दो।" उन्होनें ऐसा ही किया, और सबको

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर प्रश्न :

- परमेश्वर आपको किस तरह अपनी कहानी का भाग बनाना चाहते हैं?
- इस हफ्ते आप किससे यह कहानी बांट सकते हैं?

अंतिम आशीष :

- पढ़े प्रेरितों के काम 2:44

  प्रभु आपने हमें इतनी सारी आशीष दी है। प्रत्येक बच्चे के अन्दर यह इच्छा दे कि जब वो किसी को जरूरत में देखे तो उनकी सहायता कर पाये। हम दूसरों की सहायता करते हैं तब हमें आशीषित करने के लिए धन्यवाद।

बैठा दिया। तब उसने वे पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ लीं, और स्वर्ग की ओर देखकर धन्यवाद किया, और तोड़-तोड़कर चेलों को देता गया कि लोगों को परोसें। तब सब खाकर तृप्त हुए और चेलों ने बचे हुए टुकड़ों से बाहर टोकरियाँ भरकर उठाई।

पाठ – 8 बरतिमाई की चंगाई

लूका 18 : 35 – 43

समीक्षा :

- क्या आप यह कहानियां किसी और से बांट पाये हैं ?
- वह कैसा था और उस व्यक्ति ने क्या उत्तर दिया?

प्रारंभ :

आप के साथ सबसे बुरा क्या होगा : किसी चीज के लिए दोष लगाया जाना या किसी नाम से बुलाया जाना ?

पृष्ठभूमि :

कहानी बताएं :

दोहराना :

कहानी समीक्षा :

यदि बच्चों के पास बाईबल हो तो उन से प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबारा कहानी पढवाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवायें।

क्रम में होना :

कहानी के प्रत्येक भाग को टुकड़ों में लिख लें। हर एक बच्चे को एक कागज की परची दें और उन्हें कहानी के अनुसार सही क्रम में करने दें।

खोज प्रश्न :

- आप कहानी के दौरान क्या सोच रहे थे ? क्या आपने कुछ सुना ? आप को क्या दिखाई दे रहा था ?
- लोगों ने क्या चुनाव किया ? वह और क्या कर सकते थे? उनके चुनाव के कारण क्या हुआ ?
- यदि आप बरतिमाई होते, तो अंधापन दूर होने पर आपको कैसा महसूस होता ? उसका पहला शब्द यीशु को क्या हुआ होगा ?
- परमेश्वर ने यह कहानी बाईबल में क्यों डाली ?
- आप परमेश्वर से किस चीज को रोकने और आप की मदद करने के लिये पुकारेंगे।
- मैनें सिखा की परमेश्वर

पृष्ठभूमि :

किसी पर रहम करने का मतलब है कि आप उस पर दयालु हुए हैं। इस कहानी में, यीशु दाऊद की संतान बताए जाने वाले हैं। इसका मतलब है कि वह विश्वास करते थे कि यीशु ही परमेश्वर का वायदा किया हुआ था जो लोगों को उनके पापों से छुड़ायेगा। पाप, वह गलत काम है जो हम परमेश्वर के विरूद्ध करते हैं परमेश्वर को मनभावना नहीं है।

कहानी :

जब वह यरीहो के निकट पहुँचा, तो एक अन्धा सड़क के किनारे बैठा हुआ भीख माँग रहा था। वह भीड़ के चलने की आहट सुनकर पूछने लगा, "यह क्या हो रहा है?" उन्होने उसको बताया, "यीशु नासरी जा रहा है।" तब उसने पुकार के कहा, "हे यीशु, दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर।" जो आगे जा रहे थे, वे उसे डाँटने लगे कि चुप रहे; परन्तु वह और भी चिल्लाने लगा, "हे दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर।" तब यीशु ने खड़े होकर आज्ञा दी कि उसे मेरे पास लाओ, और जब वह निकट आया तो उसने उससे पूछा, "तू क्या चाहता है कि मैं तेरे लिए करूँ?" उसने कहा, "हे प्रभु, यह कि मैं देखने लगूँ।" यीशु ने उससे कहा, "देखने लग; तेरे विश्वास ने तुझे अच्छा कर दिया है।" तब वह तुरन्त देखने लगा और परमेश्वर की बड़ाई करता हुआ उसके पीछे हो लिया; और सब लोगों ने देखकर परमेश्वर की स्तुति की।

- मैनें सिखा की परमेश्वर
  यह परमेश्वर के लिये आपके प्रेम और सेवा को कैसे बदलता है।

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर के प्रश्न : –

- आज आपने जो सीखा, उससे परमेश्वर आपसे क्या करने को कह रहा है ?
- इस हफते यह कहानी आप किस से बांट सकते हो।

अंतिम आशीष : –

पिता इन बच्चों को अपने सुख से आशीषित करना। आशीष देना की वह आपकी आवाज सुनकर सुख पायें और आपके पीछे चलना सीखें। पढ़े यशायाह 30:19

पाठ – 9 यीशु और जक्कई

लूका 19 : 1 10

समीक्षा :

- बीते हफते में आप किस प्रकार से परमेश्वर के पीछे चले ?
- बीते हफते के व्यक्तिगत प्रतिउत्तर क्या है?
- किस तरह वह परमेश्वर के बताएं पर विश्वास और आज्ञा मान पायें।

प्रारंभ :

किसी ऐसे समय के बारे में बताएं जब आपने अकेला महसूस किया ?

पृष्ठभूमि :

कहानी बताएं :

दोहराना :

कहानी समीक्षा :

यदि बच्चों के पास बाईबल हो तो उन से प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबारा कहानी पढवाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवायें।

अभिनय करें :

समूह में अलग बच्चों को अलग–अलग चरित्र दें। कुछ समय दें अभ्यास करने का। फिर उन्हें कहानी को अभिनय के द्वारा दोहराने को कहें।

खोज प्रश्न :

- कहानी का कौन सा भाग आपको बहुत अच्छा लगा?
- यदि यीशु आपके घर आना चाहे तो आप क्या कहेंगे ? आपको कैसा लगेगा और जब वह आपके घर हो तो आप क्या करेंगे ?
- कहानी में विभिन्न लोग कौन हैं ? लोगों ने क्या चुनाव किया ? वह और क्या कर सकते थे। उनके चुनाव के कारण क्या हुआ ?
- जक्कई यीशु को देखने के लिए जितना हो सके उतनी नजदीक जाना चाहता था, ऐसा उसने क्यों किया ? वह यीशु के नजदीक क्यों जाना चाहता था।
- जब हम यीशु के नजदीक होते हैं तो कैसा लगता है?
- मैनें सीखा की परमेश्वर.....

पृष्ठभूमि :

यीशु येरूशलेम के लौटने के मार्ग पर हैं तब वह यरीहो नामक जगह पर आखरी बार रूकते हैं। वहां बहुत से लोग हैं उन्हें देखने के लिए पर एक व्यक्ति को खास तौर पर बड़ी कठिनाई हो रही है। देखें वह क्या करता है।

कहानी :

वह यरीहों में प्रवेश करके जा रहा था। वहां जक्कई नामक एक मनुष्य था जो चुंगी लेने वालों का सरदार था और धनी था। वह यीशु को देखना चाहता था कि वह कौन सा है। परन्तु भीड़ के कारण देख न सकता था; क्योंकि वह नाटा था। तब उसको देखने के लिए वह आगे दौड़कर एक गूलर के पेड़ पर चढ़ गया, क्योंकि यीशु उसी मार्ग से जाने वाला था। जब यीशु उस जगह पहुँचा, तो ऊपर दृष्टि करके उससे कहा, "हे जक्कई, झट उतर आई क्योंकि आज मुझे तेरे घर में रहना अवश्य है।" वह तुरन्त उतरकर आनन्द से उसे अपने घर ले गया। यह देखकर सब लोग कुड़कुड़ाकर कहने लगे, "वह तो एक पापी मनुष्य के यहाँ जा उतरा है।"

जक्कई ने खड़े होकर प्रभु से कहा, "हे प्रभु, देख, मैं अपनी आधी सम्पति कंगालों को देता हूँ और यदि किसी का कुछ भी अन्याय करके ले लिया है तो उसे चौगुना फेर देता हूँ। तब यीशु ने उससे कहा, "आज इस घर में उद्धार आया है, इस लिये कि यह भी अब्राहम का एक पुत्र है। क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूँढने और उनका उद्धार करने आया है।"

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर के प्रश्न : –

- आज आपने जो सीखा, उससे परमेश्वर आपको क्या करने को कह रहा है ?

अंतिम आशीष :

प्रभु हमें सन्तुष्टि से भरें। प्रत्येक बच्चे को एक उदार आत्मा दें ताकि वो स्वतंत्रता से दूसरों को दें। यह जानते हुए कि जब हम स्वतंत्रता से दसूरों को देने का चुनाव करते हैं तब वे आपकी आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। पढ़े तिमु 6:6 – 8

पाठ – 10 विधवा का दान

लूका 21 : 1-4

समीक्षा :

- पिछली कुछ कहानियों में जाएं। देखें के बच्चे उसे दोहरा पाते हैं कि नहीं। उनमें से कई दे रहे हैं; पता करें परमेश्वर आपके बच्चे से देने के बारे में क्या कर रहे हैं।

प्रारंभ :

अगर आपके पास एक हजार रूपये होते तो आप उससे क्या करते ?

पृष्ठभूमि :

कहानी बताएं :

दोहराना :

कहानी समीक्षा :

यदि बच्चों के पास बाईबल हो तो उन से प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबारा कहानी पढवाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवायें।

साथी से कहें :

यह कहानी काफी छोटी है। अपने समूह में जोड़ियां बना दें उन्हें एक के बाद एक, एक-दूसरों को जितनी अच्छी तरह से वो बता सकते हैं, कहानी बताना है। फिर दो जोड़ों का एक साथ करें और एक जोड़े को दूसरे जोड़े को कहानी बतानी है और वैसे ही वो दोहरायेंगे।

खोज प्रश्न :

- जब कहानी बतायी जा रही थी आप क्या सोच रहे थे? आपकी कल्पना में आपने क्या देखा और सुना ?
- जब यीशु ने उस विधवा को दो दमड़ियाँ डालते देखा तो उन्हें कैसा महसूस हुआ।
- परमेश्वर के लिए क्या महत्वपूर्ण है ?
- यीशु ने क्यूं कहा की उस विधवा से सब से बढ़कर डाला है जब उसने केवल दो दमड़ियाँ डाली।
- यदि आप परमेश्वर को कुछ देना चाहते हैं तो वह क्या है ?
- परमेश्वर मुझ से क्या पाना चाहता है ?
- मैंने सीखा की परमेश्वर

पृष्ठभूमि :

बच्चों के साथ एक छोटी सी चर्चा करें उस दान के विषय में जो वो कलीसिया में लाते हैं। यहां कुछ प्रश्न हैं जिस का आप प्रयोग कर सकते हैं-

- आप दान क्यों लाते हैं ?
- मैं सोचता/सोचती हूं दान किस बात के लिए प्रयोग किया जाता है ?
- मैं सोचता/सोचती हूं कि परमेश्वर कितना चाहते हैं कि हम दें।

कहानी :

फिर उसने आँख उठाकर धनवानों को अपना अपना दान भण्डार में डालते देखा। उसने एक कंगाल विधवा को भी उसमें दो दमड़ियाँ डालते देखा। तब उसने कहा, "मैं तुम से सच कहता हूँ कि इस कंगाल विधवा ने सब से बढ़कर डाला है। क्योंकि सब ने अपनी अपनी बढ़ती में से दान में कुछ डाला है, परन्तु उसने अपनी घटी में से अपनी सारी जीविका डाल दी है।"

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर के प्रश्न :

- आज आपने जो सीखा, उसके द्वारा आपको क्या लगता है कि परमेश्वर आपसे क्या करने को कह रहे हैं?
- इस हफ्ते यह कहानी आप किस से बांट सकते हो।

अंतिम आशीष :

प्रभु हमारी आंखें, कान और हृदय को आशीषित करें। हम दूसरों की जो हमारे आस पास हैं उनकी आवश्यकताओं को देखने पायें और जो भी आप हमसे देने को कहें उसे देने को इच्छुक हों।

पढ़े याकूब 1:27

पाठ – 11 अन्तिम भोज

लूका 22 : 13 – 20, 31 – 34

समीक्षा :

- किसे याद है कि पिछले हफते हमने कौन सी कहानी सीखी थी ? कौन हमें दो कहानी बता सकता है ?

प्रारंभ :

अगर आप जो कुछ भी खाना चाहते आपको मिल जाता तो वह क्या चीज होती ?

दोहराना :

कहानी समीक्षा :

यदि बच्चों के पास बाईबल हो तो उन से प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबारा कहानी पढवाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवायें।

रंगों की रचना :

एक बड़े कागज का टुकड़ा लें और कुछ रंगने का समान लें और बच्चों को पोस्टर बनाने दें जिसमें वे कहानी के अलग – अलग हिस्सों को दिखा पायें। यदि समय अनुमति दे तो कुछ बच्चों को पोस्टर दिखाते हुए कहानी सुनाने दें।

खोज प्रश्न :

- क्या आप कहानी में होने की कल्पना कर सकते हैं ? आपने क्या देखा और सुना ?
- जब यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वह मरने पर है तो उन्हें कैसा महसूस हुआ ?
- यदि आप एक चेले होते तो क्या करते ? आपको कैसा महसूस होता ?
- हम लोगों को कैसे बताते है कि हम यीशु के चेले हैं ?
- परमेश्वर को क्या दुखी करता है?
- परमेश्वर ने यह कहानी बाईबल में क्यों डाली ?
- मैंने सीखा की परमेश्वर

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर के प्रश्न :

- आज आपने जो सीखा, उसके द्वारा आपको क्या लगता है कि परमेश्वर आपसे क्या करने को कह रहे हैं ?

पृष्ठभूमि :

फसह, यहूदियों के लिए एक विशेष अवकाश है। यह उस समय को मनाने का वक्त है, जब परमेश्वर ने अपने लोगों को बचाया था। यहाँ तक की वह आज भी इसे मनाते हैं। फसह का यह अर्थ है, जब मौत का दूत यहूदियों के घरों को पार करके चला गया क्योंकि उन्होंने शुद्ध मेमने के लहू को अपने दरवाजे के चौखट पर लगाया था। यह एक चिन्ह था जिससे कि स्वर्गदूत यह जान ले कि उसे उस घर के पार जाना है। यीशु को फसह का मेमना कहा जाता है, वो जो इस संसार के पाप ले जाता है। वह अपने चेलों और विश्वास योग्य शिष्यों को यह बताने का प्रयत्न कर रहे हैं, कि वह जल्द ही मरने पर है। अब वो अपनी अन्तिम भोज की तैयारी करवा रहे हैं जो कि फसह के पर्व पे ही था।

कहानी :

जब घड़ी आ पहुँची, तो वह प्रेरितों के साथ भोजन करने बैठा। और उसने उनसे कहा, “मुझे बड़ी लालसा थी कि दुःख भोगने से पहले यह फसह तुम्हारे साथ खाऊँ। क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ कि जब तक वह परमेश्वर के राज्य में पूरा न हो तब तक मैं उसे कभी न खाऊँगा। तब उसने कटोरा लेकर धन्यवाद किया और कहा, “इस को लो और आपस में बाँट लो। क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ कि जब तक परमेश्वर का राज्य न आए तब तक मैं दाख का रस अब से कभी न पीऊँगा।” फिर उसने रोटी ली, और धन्यवाद

अंतिम आशीष :

पिता इन बच्चों को अपनी सामर्थ से आशीषित कीजिए, ताकि वह दूसरों को आपकी भलाई और महानता के बारे में बता पायें। आप उन्हें हियाव दें ताकि वह यीशु के लिए जीने पायें।

पढ़ें कुरिन्थियों 3:4 – 6

करके तोड़ी, और उनको यह कहते हुए दी, "यह मेरी दह है जो तुम्हारे लिये दी जाती है : मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।" इसी रीति से उसने भोजन के बाद कटोरा भी यह कहते हुए दिये, "यह कटोरा मेरे उस लहू में जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है नई वाचा है।

पाठ – 12 यीशु का क्रूस पर चढ़ाया जाना

लूका 23 : 20-26, 44 - 48

समीक्षा :

- हर एक कहानी के अन्त में हम ने पूछा की इस कहानी के द्वारा परमेश्वर आपसे क्या करने को कह रहे हैं। किस एक तरह आपने परमेश्वर की आज्ञा को माना है ?

प्रारंभ :

किसी समय के बारे में बताएं जब किसी ने आपके साथ बहुत गलत किया हो।

पृष्ठभूमि:

कहानी बताएं :

दोहराना :

कहानी समीक्षा :

यदि बच्चों के पास बाईबल हो तो उन से प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबारा कहानी पढवाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवायें।

रस्सी का खेल:

15 फीट लंबी एक रस्सी लेकर उसके अंत को बांध दें। रस्सी पकड़ते हुए सभी बच्चों को एक गोल फेरे में खड़ा दें। रस्सी को एक दिशा में घूमाना शुरू करें। जब आप "रूको" कहें जो बच्चा रस्सी की गाँठ के नजदीक हो, कहानी का अगला भाग बताएं। कहानी खत्म होने तक इसे दोहरायें।

खोज प्रश्न :

- क्या आप कहानी में होने की कल्पना कर सकते हैं? आपने क्या सोचा कहानी देखते हुए ?
- जब कहानी बताई जा रही थी तो आपको कैसा महसूस हुआ?
- परमेश्वर ने लोगों को उन के साथ इस तरह का व्यवहार करने क्यों दिया? वह और क्या कर सकते थे। लोगों ने क्या चुनाव किया। यीशु ने जो चुनाव किया उस कारण क्या हुआ। यह समय सही हो सकता है बच्चों को बताने के लिए परमेश्वर के क्रूस पर मारे जाने से हमें क्या मिला।
- मैंने सीखा की परमेश्वर..... ?

पृष्ठभूमि :

यीशु को क्रूस पर चढ़ाने की सजा दी गई। सिपाहियों ने उन्हें मारा और कौड़े भी दिये। सब लोग यीशु को बुरा भला कह रहे हैं। यह एक दु:ख भरा दिन है और उसके बावजूद यीशु ने कहा, "पिता इन्हें क्षमा कर, यह नहीं जानते की यह क्या कर रहे हैं।" यह दिन आज भी "गुड फराइडे" के नाम से याद किया जाता है। कहानी सुने और देखते हैं कि इसे यह क्यों कहा जाता है। और यह भी जान लें कि पिलातुस एक राजा था।

कहानी :

पिलातुस ने यीशु को छोड़ने की इच्छा से लोगों को फिर समझाया, परन्तु उन्होंने चिल्लाकर कहा, "उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर।" उसने तीसरी बार उन से कहा, "क्यों, उसने कौन सी बुराई की है? मैनें उसमें मृत्यु के दण्ड के योग्य कोई बात नहीं पाई। इस लिये में उसे पिटवाकर छोड़ देता हूं।" परन्तु वे चिल्ला चिल्लाकर पीछे पड़ गए कि वह क्रूस पर चढ़ाया जाए, और उनका चिल्लाना प्रबल हुआ। अत: पिलातुम ने आज्ञा दी कि उनकी विनती के अनुसार किया जाए उसने उस मनुष्य को जो बलवे और हत्या के कारण बन्दीगृह में डाला गया था और जिसे वे माँगते थे, छोड़ दिया; और यीशु को उनकी इच्छा के अनुसार सौंप दिया। जब वे उसे लिए जा रहे थे, तो उन्होंने शमौन नामक एक कुरेनी को जो गाँव से आ रहा था, पकड़कर उस पर क्रूस लाद दिया

- परमेश्वर को क्या दुखी करता है?
- परमेश्वर ने यह कहानी बाईबल में क्यों डाली ?
- मैंने सीखा की परमेश्वर.....
- परमेश्वर ने जो मेरे लिए किया उसके लिए मैं .... करना चाहता/चाहती हूँ।

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर के प्रश्न :

- मुझे लगा की परमेश्वर (पवित्र आत्मा) मुझ से कह रही है .....?
- इस हफते यह कहानी आप किस से बांट सकते हैं?

अंतिम आशीष : –

महान परमेश्वर, यीशु को हमारे लिए भेजने के लिए धन्यवाद। हमें दु:ख है कि लोगों ने उनके साथ बुरा व्यवहार करके उन्हें क्रूस पर चढ़ाया। इन बच्चों को अपना ज्ञान देना कि यह हमेशा याद रखें कि आप उनसे बहुत प्रेम करते हो और उनके साथ रहना चाहते हो।

पढ़े - यूहना 3:16 – 17

कि उसे यीशु के पीछे पीछे ले चले।

लगभग दोपहर से तीसरे पहर तक सारे देश में सूर्य का उजियाला जाता रहा, और मन्दिर का परदा बीच से फट गया और यीशु ने बड़े शब्द से पुकार कर कहा, "हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूं।" और यह कहरकर प्राण छोड़ दिए। सूबेदार ने जो कुछ हुआ था देखकर परमेश्वर की बड़ाई की और कहा, "निश्चय यह मनुष्य धर्मी था और भीड़ जो यह देखने को इक्ट्ठी हुई थी, इस घटना को देखकर छाती पीटती हुई लौट गई।"

पाठ – 13 यीशु का पुनरुस्थान

लूका 24 : 1-12

समीक्षा :

- प्रत्येक पाठ के अन्त में हम इस बारे में बात करते आये हैं कि परमेश्वर इस कहानी के द्वारा आपको क्या दिखा रहे हैं। ऐसा कौन सा एक तरीका है जिसके द्वारा आपने, परमेश्वर की आज्ञा को माना?

प्रारंभ :

आप सबसे ज्यादा किस चीज से उत्तेजित होते हैं?

पृष्ठभूमिः

कहानी बताएं :

दोहराना :

कहानी समीक्षा :

यदि बच्चों के पास बाईबल हो तो उन से प्रश्नों का प्रयोग करते हुए दोबारा कहानी पढवाएं रिक्त स्थानों को भरवाएं और गलत कथनों को सही करवायें।

संगीतात्मक कुर्सियां :

प्रत्येक बच्चे के लिए एक घेरे में कुर्सियां रखें, कवेल एक को छोड़ दें। कुर्सियां बाहर की तरफ रखी हों। हर एक बच्चा कुर्सी पर बैठ जायें। एक को छोड़। संगीत के शुरू होने पर बच्चे घेरे के आस पास चलें और संगीत रूकने पर, हर एक बच्चा कुर्सी ढूंढे। जिसके पास कुर्सी न हो वह कहानी का अगला भाग बतायें।

खोज प्रश्न :

- कहानी का कौन सा हिस्सा आपको सच में पसन्द आया।
- जब कहानी बतायी जा रही थी आप क्या सोच रहे थे ?
- परमेश्वर ने इस कहानी में क्या चुनाव किया ? आप ने इन चुनावों के बारे में क्या महसूस किया।
- जब वह स्त्रियां कब्र पर गई तो उन्हें कैसा लगा ?
- क्या आपके परिवार में ऐसी कोई चीज है जिस कारण आपको डर लगता है ? इस में परमेश्वर आप से क्या कहना चाहते हैं ?

पृष्ठभूमि :

यीशु की मृत्यु शुक्रवार को हुई और उनके पीछे चलने वाले बहुत दुःखी थे।

कहानी :

परन्तु सप्ताह के पहले दिन बड़े भोर को वे उन सुगन्धित वस्तुओं को जो उन्होंने तैयार की थी, ले कर कब्र पर आई। और उन्होंने पत्थर को कब्र पर से लुढ़का हुआ पाया। और भीतर जाकर प्रभु यीशु की लोथ न पाई। जब वे इस बात से भौचक्की हो रही थी देखो, दो पुरुष झलकते वस्त्रों पहिने हुए उन के पास आ खड़े हुए। जब वे डर गई, और धरती की ओर मुंह झुकाए रही; तो उन्होंने उन से कहा; तुम जीवते को मरे हुओं में क्यों ढूंढते हो? वह यहां नहीं, परन्तु जी उठा है; स्मरण करो; कि उस ने गलील में रहते हुए तुम से कहा था कि अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र पापियों, के हाथ में पकड़वाया जाए, और क्रूस पर चढाया जाए और तीसरे दिन जी उठे। तब उसकी बातें उन को स्मरण आई और कब्र से लौटकर उन्होंने उन ग्यारह को और, और सब को, ये बातें कह सुनाई। जिन्होंने प्रेरितों से ये बातें कहीं, वे मरियम मगदलीनी और योअन्ना और याकूब की माता मरियम और उन के साथ की और स्त्रियां भी थी। परन्तु उन की बातें उन्हें कहानी सी समझ पड़ी, और उन्होंने उन की प्रतीति न की। तब पतरस उठकर कब्र पर दौड़ गया और झुककर केवल कपड़े पड़े देखे और जो हुआ था, उस से अचम्भा करता हुआ, अपने घर चला गया।

- परमेश्वर कहां है ?

व्यक्तिगत प्रतिउत्तर के प्रश्न :

- आज आपने जो सीखा, उसके द्वारा आपको क्या लगता है कि परमेश्वर आपसे क्या करने को कह रहे हैं ?
- यह कहानी इस सप्ताह आप किस से बाँट सकते हैं ?

अन्तिम आशीष :

परमप्रधान परमेश्वर, यीशु को हमारे लिए भेजने के लिए धन्यवाद। हम बहुत धन्यवादित हैं वह मृत नहीं परन्तु जीवित हैं। इन बच्चों को समझ प्रदान करने यह जानने के लिए कि आप उनसे कितना ज्यादा प्रेम करते हैं।

पढ़े : यहूना 3:16 – 17

दोहराने की गतिविधियां

कहानी बताने के बाद उसे दोहराना आवश्यक है ताकि बच्चों की कहानी में रुचि बनी रहे और वह कहानी को अच्छे से समझ सके और दूसरों को बता सके।

दोहराने का कार्यकलाप मस्ती भरा होना चाहिए जो बच्चों को कहानी में व्यस्त रखें। निचे लिखी है कुछ तरीके जिन्हें कहानी दोहराने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि बच्चों के पास बाईबल हो तो उनसे कहानी पढ़वाये यह कहानी दोहराने का एक तरीका हो सकता है। यह और एक तरीके से भी किया जा सकता है कि कोई एक कहानी पढ़ें और प्रश्न पूछें और बाकी के बच्चे बाईबल में देखकर उत्तर दें।

कला:

- **चित्रकारी:** यदि आपके पास सामान हो तो बच्चों को जो उन्होने सुना, उसका चित्र बनवायें और हर एक बच्चा अपना बनाया चित्र दूसरो को दिखायें।
- **समूह विज्ञापन:** बच्चों से विज्ञापन बनवाये जिससे वह कहानी बता सकें। विज्ञापन से बच्चों को कहानी दोहराने दे।
- **कहानी भाग:** हर एक बच्चे को कहानी का एक भाग चित्र करने को दें। फिर वह चित्रों को सही क्रम में डालने दें और चित्रों से कहानी को दोहराने दें।
- **कला वार:** कागज और रंगों का इस्तेमाल करें, यदि बड़े कागज हों तो बच्चों से विज्ञापन बनवाये जो कहानी बताये। और यदि छोटे कागज हो तो हर एक बच्चे से कहानी का चित्र बनवाएं और बच्चों को दूसरों के साथ बांटने दें।
- **हास्य – रस की पत्रिका:** हर एक बच्चे को एक कागज़ दें। उसे दो भाग में मोड़े और उस मोड़े भाग को फिर से मोड़े और तीसरी बार भी मोड़े। जब आप कागज़ को खोले तो उसमें 8 डब्बे होने चाहिए। कहानी के हर एक भाग को एक एक डब्बे में बच्चों को चित्र बनाने दें। यह कहानी के अनुसार हो। इसका इस्तेमाल करके बच्चों को कहानी दोहराने दें।
- **विज्ञापन तख्ता:** बाईबल की कहानी का एक विज्ञापन तख्ता बनाये और सड़क पर लगाये।
- **चित्रकोश:** कहानी के अलग अलग भाग दिये जायेंगे और बच्चों को जो मिला है उसका चित्र बनाना है, जब तक कोई उसे पहचान न ले।
- **भित्ति लेखन दीवार:** समूह में बच्चों को कहानी बताने वाले शब्द या चित्र बनाने दें।
- **टी – शर्ट डिज़ाइन:** बच्चों को टी – शर्ट के सामने के लिए कहानी के मुख्य भाग का ड़िजाइन बनाने दें।
- **लोगो डिज़ाइन:** यदि कहानी बताने के लिए केवल एक एक चित्र और कोई शब्द, न हो, तो वह क्या होगा ?बच्चों को उसका चित्र बनाने दे। आप इस चित्र को अगले हफतो की कहानी के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं
- **पुस्तक आवरण डिज़ाइन:** बच्चे अपनी पुस्तक का कवर स्वयं डिजाइन या चित्र करते है शब्दो और चित्रों का प्रयोग करके जो कहानी के विभिन्न भागो को सही से बताता है।
- **कहानी किताब:** कहानी किताब के चित्रों और शब्दों से बच्चे कहानी को दोहराते हैं।

दोहराने की गतिविधियां

नाटक/कला

- **नाटक करे:** हर एक बच्चे को कहानी का एक पात्र दें। नाटक करने से पहले उन्हें अभ्यास करने दें। देखे यदि एक या दो बच्चे कहानी बताने वाले बने और दूसरे नाटक करें।
- **दोहराना:** पात्र के नजरीये से कहानी को दोहराये।
- **संगीत बनाये:** एक गाना बनायें जो कहानी को दोहराये। आप बच्चों को जानने वाला पुराना गीत शब्द बदल कर प्रयोग कर सकते हैं। बच्चे स्वयं भी एक नया गीत बना सकते है।
- **साथी:** बच्चों को 2 – 3 के समूह में बांट दें। हर एक बच्चा कहानी को दोहरायें। यदि कोई कहानी को कुछ भाग भूल जाये तो समूह के दूसरे साथी मदद कर सकते हैं।
- **हाथ के इशारे:** बाईबल कहानी को दोहरायें और समूह को कहानी के विभिन्न भाग याद रखने के लिए हाथ से इशारे बनाने दें। कहानी के अंत होने तक इसे दोहराये।
- **मूक नाटक:** समूह को विभिन्न छोटे समूहों में बांट दें। एक समूह को कहानी का पहला भाग बिना शब्दों को प्रयोग किये नाटक करने दें। दूसरे समूहो को बताना है कि क्या हो रहा है। इसी सामान अगले समूह को कहानी का अगला भाग नाटक करना है और दूसरे समूहो को बताना है कि क्या हो रहा है। कहानी के अंत होने तक इसे दोहरायें।
- **कटपुतली:** सामान्य चीज़े जैसे की जुराब, कागज़ की थाली, कप, लकडीयां आदि का इस्तेमाल करके कटपुतलीयां बनाये और कहानी दोहराने के लिए इसका इस्तेमाल करें।
- **वस्तु:** हर समूह को 3 चीजे दें। समूह को विभिन्न चीजों का इस्तेमाल करके कहानी को दोहराना है। वह और चीजें भी जोड़ सकते है।
- **तार और मिट्टी:** इन चीजों का प्रयोग करके कुछ बनायें और कहानी को दोहरायें।
- **बूझ ब्औअल:** शब्दों का प्रयोग किये बिना बच्चो को कहानी के विभिन्न भागो को करके दिखाना है और लोगों को बूझना है कि यह कहानी का कौन से भाग हैं।
- **धवनि चल संपति और गति:** बाईबल कहानी को दोबारा पढ़ें और विभिन्न शब्दों और कार्य के लिए धवनि या गति बनाकर कहानी को दोहरायें।
- **चीज़े (रुमाल और रस्सी):** देखे की वह इन चीजों को इस्तेमाल करके कितनी बार कहानी दोहरा सकते है। एक और तरीका है कि बच्चो को 3 चीजे देकर कहानी को दोहराने दें।
- **इशारे:** विभिन्न इशारे से कहानी के प्रत्थेक भाग को समझाये। आप एक बच्चे या समूह को एक इशारा दे सकते है और उन्हे कहानी के अनुसार उन्हें कर्म में करना हैं।
- **मानवीय स्लाइडशो:** एक बड़ा कपड़ा ले जो परदे सामान भी इस्तेमाल हो पायें। दो बच्चे परदे को पकड़े और कहने पर उसे गिराये। विभिन्न बच्चों को कहानी के पात्र बनायें। हर भाग के लिए परदा ऊपर करे जब बच्चे उस भाग के चित्र अनुसार खड़े होते है, वह स्थिर खड़े और परदा गिरायें, दूसरो को देखने के लिए/हर दृश्य कहानी अनुसार बदलेगा।
- **नाच:** कहानी को नाच के द्वारा दोहरायें। नाच बीना संगीत और शब्दों के भी हो सकता है।
- **पहले दस:** बच्चो को अकेले या समूह में होकर कहानी के पहले दस स्पर्धाएँ लिखने दे।
- **पत्रिका:** बच्चो को समय दे की वह शांत होकर पत्रिका में लिखे जो उन्होंने कहानी में सुना और उसका उनके लिए क्या अर्थ है।

दोहराने की गतिविधियां

खेल 1

- **गेंद का खेलः** गेंद के साथ बहुत से खेल खेले जा सकते है। बच्चों को घेरे में खड़ा करें और 'शुरू' कहने पर बच्चे गेंद को एक दूसरे को घेरे में दे और 'रूको' कहने तक देते रहे। जिस बच्चे के हाथ में गेंद हो वह कहानी का अगला भाग बतायें। कहानी अंत होने तक इसे दोहराये।
- **रस्सी का खेलः** 15 मीटर की रस्सी लेकर उसके अंत को बांध दे। बच्चो को रस्सी पकड़कर एक घेरे में खड़ा करें। रस्सी को एक दीशा में घूमाये। ''रूको'' बोलने पर जो बच्चे रस्सी के अंत में होगा, वह कहानी का अगला भाग बतायें। कहानी अंत होने तक इसे दोहरायें।
- संगीत के चलते गेंद को एक दूसरे को पास करें। संगीत बंद होने पर, जिसके पास गेंद हो, उसे कहानी का अगला भाग बताना है।

उन्हें वचन बताये अनुसार पढ़ना है।

- ✓ साधारण गति में
- ✓ तेज गति में कूदते हुए
- ✓ फुसफुसाकर
- ✓ चिल्लाकर चलते हुए
- ✓ बिलकुल धीमी गति में धीमा चलते हुए
- ✓ साधारण गति में उलटा चलते हुए

- **संगीत कुर्सीः** एक घेरे में हर एक बच्चे के लिए कुर्सी रखें, केवल एक को छोड़। कुर्सीया बाहर की और हो। एक बच्चे को छोड़ सब कुर्सीयों पर बैठे, संगीत के चलाने पर बच्चे घड़ी अनुसार चलें और संगीत के बंद होने पर, सभी को अपने लिए कुर्सी ढूंढनी है। जिसके पास कुर्सी न हो वह कहानी का अगला भाग बताये। कहानी अंत होने तक इसे दोहराये।
- एक समय नियुक्त करें और देखे यदि उस नियुक्त समय के अंदर बच्चे कहानी को दोहरा सकते है।
- **टींगो टींगो टैंगो :** बच्चो को एक घेरे में खड़ा करें। एक वस्तु को एक दूसरे के पास करें टींगो टींगो टैंगो कहते हुए, जब आप 'टैंगो' कहे, जिस के पास गेंद हो वह कहानी का अगला भाग बतायें। शब्दों के बीच समय का अंतर अलग रखें तांकि बच्चे न जान पाये की अगला कौन होगा।
- बच्चों को छोटे से बड़े और नाटे से लंबे तक एक लाईन में खड़ा करें। पहला बच्चा कहानी का पहला भाग बताना शुरु करें और दूसरा बच्चा दूसरा और इसे कहानी के अंत होने तक करें।
- **गुबारा या गेंद टोसः** 8 बच्चों को घेरे में खड़ा करें। सक को एक गुबारा या गेंद संगीत चलने पर दूसरों को देना हैं और संगीत रूकने पर जिसके पास गुबारा या गेंद हो वह कहानी का अगला भाग बतायें।
- **गुबारे का खेलः** इस खेल के लिए आपको काफी गुबारो की जरूरत पड़ेगी हर समूहश के लिए। यह खेल खेलने से पहले कहानी के भागो को कागज़ की छोटी परचीयों में लिख ले। हर गुबारे में एक परची डाले। गुबारे को फूलाकर उसे बांद दे। बच्चो को एक घेरे में खड़ा करें और गुबारो को घेरे के बीच में रख दें। आपको बोलने पर बच्चो को गुबारे के ऊपर बैठकर उसे फोड़ना है। फिर बच्चों को गुबारे में से परची को निकालकर कहानी अनुसार डालना है।

खेल 2

- **फुसफुसानाः** बच्चो को घेरे में बिठायें। कहानी का पहला भाग एक बच्चे के कान में फुसफुसायें और वह उसे और कहानी के अगले भाग को दूसरे बच्चे के कान में फुसफुसायेगा। इसे कहानी के अंत तक करें।
- **पासे का खेलः** हर छोटे समूह के पास एक पासा होगा। पहला बच्चा पासे को फेंके। यदि 1 या 2 आये तो वह पासा

दूसरे बच्चे को दे सकते है और कहानी बताना जरूरी नहीं है। यदि 3 या 4 आये तो उन्हें कहानी का अगला भाग बताना है। यदि 5 या 6 आये तो पासा पिछले बच्चे के पास जायेगा जिसने अभी कहानी का अगला भाग बताया। और उसे फिर से कहानी का अगला हिस्सा बताना होगा।

- **कहानी पत्ते:** कहानी के विभिन्न भागों को कागज़ की अलग अलग परचीयों पर लिखे या चित्र बनाये। उसे कक्षा के अलग अलग बच्चो को दें और उन्हें कहानी अनुसार खड़ा करे। आप उन्हे नियुक्त समय भी दे सकते है।
- **चिह्न भाषा:** सोचे की आप और कहानी सुनने वाला व्यक्ति सुन नहीं सकता। वह कैसा होगा?
- **बाईबल कहानी प्रसारण:** बच्चों को टीमों में बांट दे। उन्हें बताई जगह तक दौड़ना और फिर वापिस आना है। जब वह वापिस आये उन्हे कहानी का अगला भाग चिलाना है, फिर अगला बच्चा मंजील की और दौड़ेगा और वापिस आते हुए कहानी का अगला भाग चिलायेगा और वह यह कहानी अंत होने तक करेंगे।
- **लूका छुपी:** कहानी के भिन्न शब्दो को कागज़ की परचीयों पर लिखें। उन्हे कमरे में अलग अलग जगह पर लगा दें। बच्चो को उसे ढूंढने भेजे और जैसे वह ढूंढते है, वह कमरे के सामने खड़े हो और सही कर्म में रहे। किसी को उसे पढ़कर कहानी को दोहराने दे।
- **कहानी अनुसरण:** कहानी के हर भाग को छोटे पत्तों पे लिखे। एक एक पत्ता बच्चे के पीछे चिपका दें। बच्चो को स्वयं कहानी को जोड़ने दें। उन्हें लाईन में खड़ा होना है तांकि हर बच्चे को पत्ते उनके सामने दिखे। बच्चो को सामने खड़े व्यक्ति के पत्ते पड़कर कहानी को दोहराने दे।
- **तारा किसके पास है?:** कागज़ से एक तारा बनाए। बच्चो को कुर्सीयों में एक घेरे में बैठा दे। किसी एक की कुर्सी के नीचे तारे को रख दें। जब वह अपनी आंखे खोले जिस की कुर्सी के नीचे तारा हो वह कहानी का पहला भाग बतायें। उसके बाद सब बच्चे आंखे बंद करे और वह बच्चा तारे को किसी और की कुर्सी के नीचे रखे। यह कहानी पूरी होने तक किया जाता है।

खोज और प्रतिउत्तर के प्रश्न

खोज प्रश्न – सिर (तथ्य)

मेरा उद्देश्य कहानी का विषय वस्तु समझना हैं, कहानी क्या बताती है ?कहानी में क्या हुआ ?मैं परमेश्वर को उसके वचन के द्वारा जानना चाहता हूँ।

- जब कहानी सुनाई जा रही थी, तो आप क्या सोच रहे थे ?उससे आपको कैसा महसूस हुआ ?
- क्या आप वहां होने की कलपना कर सकते है ?आप क्या सुना, देखा और सूंघा जब कहानी बताई जा रही थी ?
- आपके लिए कहानी में सबसे अलग क्या था ?
- परमेश्वर /यीशु इस कहानी में उन्हें क्या सीखा रहे थे ?
- पीछली किस कहानी में हम ने परमेश्वर को यह करते देखा ?
- क्या आपने कुछ सुना जिससे आपको पुरानी कहानी याद आई ?दोनों में आपने क्या सम्बंध देखा ?
- हमारी कौन सी कहानी ..... में बताती है ?
- क्या कुछ ऐसा था जिसे समझना आपको कठिन लगा ?
- हमने ..... का परमेश्वर के साथ रिश्ते के बारे में क्या सीखा ?
- परमेश्वर ने लोगों को कैसे प्रतिउतर दिया ?
- जब ..... परमेश्वर ने क्या प्रतिउत्तर दिया ?
- लोगों ने कैसी प्रतिक्रिया की जब परमेश्वर ने .....
- परमेश्वर उन्हे इस कहानी में क्या दिखा रहे थे ?
- आपने क्या सिखा

– परमेश्वर के बारे
– यीशु के बारे
– इस कहानी के बारे
– परमेश्वर के पीछे चलने के बारे
– अपने आप के बारे

- आपने क्या सिखा की परमेश्वर कैसे है ?
- लोगो ने क्या चुनाव किया ?वह और क्या कर सकते थे ? उनके चुनाव के कारन क्या हुआ ?
- इस कहानी में विश्वास , व्यवहार में कैसे बदलाव आये ?
- आपने इस कहानी में परमेश्वर के बारे में क्या देखा ?
- ..... ने क्या खतरा लिया परमेश्वर के पीछे चलने के लिए ?
- इस कहानी के पात्र कैसे विभिन्न या सामान्य है ?
- आपकी स्थिति किसके सामान है ..... ?

खोज और प्रतिउत्तर के प्रश्न

खोज प्रश्न – हृदय (भावनाएं)

मेरा उद्देश्य कहानी से भावनातमिक और आत्मिक रूप से जुड़ना है तांकि कहानी मेरे हृदय को जांचने दे। यह कहानी मेरे जीवन से कैसी जुड़ी है। कहानी महत्वपूर्ण क्यों हैं ?यह मेरे लिये महत्वपूर्ण क्यों है। मैं परमेश्वर को उनके वचन के द्वारा प्रेम करना चाहता हूं।

- कहानी में आपको क्या अच्छा लगा ?क्या कुछ ऐसा है जो आपको अच्छा नहीं लगा ?
- कहानी में सबसे अलग क्या था ?
- आज की कहानी का सबसे मुख्य भाग कौन सा था ?
- आपको कैसी भावनाए महसूस हुई कहानी के दौरान ?आपको कैसा महसूस होगा जब ..... ?
- कहानी सुनते हुए आपने क्या कलपना की ?
- कहानी सुनते समय आपने क्या सोचा ?

- आपको कैसी भावनाएं महसूस हुई ?
- कैसी भावनाएं उत्साहित हुई ?
- वह कैसा रहा होगा ..... ?

- ..... के मन और दिमाग में क्या चल रहा होगा ?
- इस कहानी में आपको किसने अचम्बीत किया ?
- आप कहानी के कौन से पात्र से मेल देखते हो ?
- परमेश्वर /यीशु /पात्रों के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है ?
- हम कैसे ..... के सामान है या अलग है ?
- कहानी सुनने के बाद, आप कैसे अपने आप को बदलोंगे ?
- क्या परमेश्वर ने आपको कभी इस्तेमाल किया है ?
- परमेश्वर ने ऐसा क्यों किया होगा ?
- अभी आपको परमेश्वर के लिए कैसा महसूस हो रहा है ?
- आज से पहले आपने क्या महसूस नहीं किया ?
- आज आपने सबसे दिलचसप क्या सुना ?
- आज की कहानी ने आपको कैसे उत्साहित किया ?

खोज और प्रतिउत्तर के प्रश्न

खोज प्रश्न – हाथ (कार्य)

मेरा उद्देश्य पवित्र आत्मा की अगवाई पाना और इस कहानी को कैसे लागू करना, पता करना है। मैं इस कहानी को अपने जीवन में कैसे लागू कर सकता हूँ ?आज मैंने जो सीखा उससे परमेश्वर मुझसे क्या करवाना चाहता है ?मैं परमेश्वर के वचनों को मानकर उसकी सेवा करना चाहता हूँ।

- आज आपने क्या सुना जिससे आपको लगा कि आपको अपना जीवन बदलना चाहिए।
- आज आपने जो सीखा, उससे परमेश्वर/पवित्र आत्मा आपसे क्या करने को कह रहा है?
- परमेश्वर/पवित्र आत्मा आपको क्या कह रहा है ?
- आज की कहानी के बाद आप क्या अलग करोंगे यह आपके परमेश्वर के लिए प्रेम और सेवा को कैसे बदलेगा ?
- आपने मसीह के चेले होने के बारे में क्या सिखा ?
- आज हमें परमेश्वर को कैसे प्रतिउत्तर देना चाहिए ?
- कहानी सुनने के बाद आप कैसे अलग जीयोगे ?
- क्या आप परमेश्वर को ऐसे जानना चाहते हो ?क्या आपके जीवन में कुछ है जिस में परमेश्वर आपकी मदद कर सकते है।
- यह कहानी आप किससे बांट सकते है ?
- परमेश्वर आपको कैसे इस कहानी का हिस्सा बनाना चाहता है ?

kids around the world

www.katw.net